Insurance Agents (General) Question Bank - Hindi						
क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
1	गैर-जीवन-बीमा कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए, कि, वे, ऐसी संपत्तियों का बीमा नहीं करती हैं जो --।	जनता के पैसे से खरीदी गयी हो।	बैंक ऋणों का उपयोग करके खरीदी गयी हो।	अवैध धन से खरीदी गयी हो।	संपत्ति को बंधक रख कर खरीदी गयी हो।	1
2	अग्नि-बीमा के मामले में, दावे की गणना, कैसे की जाती हैं?	आग के कारण हुए नुकसान का प्रतिशत।	आग से हुई क्षतियों का क्रय-मूल्य।	संपत्तियों का वर्तमान-मूल्य।	संपत्तियों का ह्रासित-मूल्य।	4
3	प्रस्थापन, --- के सिद्धांत से चलता हैं।	क्षतिपूर्ति	बीमा	जोखिम-संरक्षण	जोखिम-न्यूनन	1
4	---, वह प्रक्रिया हैं, जो, एक बीमा-कंपनी, एक लापरवाह तृतीय-पक्ष से, पॉलिसी-धारक को भुगतान की गई दावा-राशि की वसूली के लिए, उपयोग करती हैं।	जोखिम-अंकन	नामांकन	प्रस्थापन	अनुबंध	3
5	--- को, बीमा-धारक द्वारा, तृतीय-पक्ष के विरुद्ध, दावे का भुगतान करने वाली एक बीमा-कंपनी को अधिकारों के अभ्यर्पण के रूप में, परिभाषित किया जा सकता हैं।	प्रस्थापन	अनुबंध	नामांकन	जोखिम-अंकन	1
6	बीमा की अवधारणा में, जोखिम का तात्पर्य, हमेशा एक --- होता हैं।	संदेह	कमी	संभाव्यता	वास्तविक मूल्य	3
7	एक ऐसी शर्त, जो, किसी नुकसान की संभाव्यता अथवा इसकी गंभीरता को बढ़ाती हैं, और इससे जुड़े जोखिम को प्रभावित करती हैं, इसे --- के रूप में जाना जाता हैं।	ऐच्छिक तथा अतिरिक्त लाभ (राईडर)	खतरा	सट्टा	कमी	2
8	भारतीय अनुबंध अधिनियम, ---, के प्रावधान, बीमा अनुबंध सहित, भारत के सभी अनुबंधों को नियंत्रित करते हैं।	1919	1929	1887	1872	4
9	एक बीमा-दावे का भुगतान करने के लिए, जोखिम के कारण होने वाला संबद्ध नुकसान, --- और --- होना चाहिए।	निश्चित, मापने योग्य	स्थिर, सट्टा	गतिशील, गंभीर	शुद्ध, मामुली	1
10	--- बीमा, मौलिक और विशेष जोखिम दोनों को संरक्षित करने के लिए उपलब्ध हैं।	चिकित्सा	जीवन	व्यावसायिक	कृषि	3
11	गतिशील जोखिम, किस प्रकार के वर्गीकरण पर, आधारित होती हैं?	क्षति की सीमा	वातावरण की प्रकृति	परिणाम	कार्य-अवधि	2
12	--- जोखिमों का बीमा नहीं किया जा सकता हैं।	सट्टा जोखिम	गतिशील जोखिम	स्थिर जोखिम	बुनियादी जोखिम	1
13	---, जोखिम का एक प्रकार नहीं हैं।	वैधानिक जोखिम	सामाजिक जोखिम	नैतिक जोखिम	भौतिक जोखिम	2
14	कुछ मामलों में, जब, नुकसान के समय, नुकसान के मूल्य का, आसानी से, अनुमान अथवा निर्धारण नहीं किया जा सकता हैं, --- सिद्धांत को अपनाया जाता हैं।	निर्धारित मूल्य	सट्टा मूल्य	सहमत मूल्य	लगाया गया मूल्य	3
15	"परम सद्भाव" की अवधारणा, यह कहती हैं, कि, चाहे अनुरोध किया गया हो अथवा नहीं, प्रस्तावित जोखिम के सभी महत्वपूर्ण तथ्यों का सही और पूरी तरह से, --- खुलासा करना, प्रस्तावक का सकारात्मक कर्तव्य हैं।	पूर्णतः	स्वैच्छिक रूप से	निश्चित रूप से	सही तरीके से	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
16	एक बीमा-अनुबंध, आम तौर पर, अमान्य हो जाता हैं, जब, धोखा देने के इरादे से --- किया जाता हैं।	उकसाव	असत्य-कथन	छिपाव	धोखा	3
17	बीमा के अनुबंध पर चर्चा के दौरान दिए गए कथन को --- कहा जाता हैं।	घोषणा	शपथपत्र, हलफनामा	प्रतिनिधित्व	समझौता	3
18	कोई कथन देते समय, --- असत्य-कथन को, चूक माना जाता हैं।	निर्दोष	धोखाधड़ीपूर्ण	इच्छित	आपसी	1
19	वह घटना, जिसके घटित होने से, वास्तव में नुकसान होता हैं, एक --- के रूप में जानी जाती हैं।	आपदा	जोखिम	अनिश्चितता	खतरा	1
20	निम्नलिखित में से क्या, एक शुद्ध जोखिम नहीं हैं?	आत्महत्या	मृत्यु	दुर्घटना	बीमारी	1
21	जहाँ, एक प्रस्ताव-प्रपत्र का प्रयोग नहीं किया जाता हैं, बीमा-कंपनी, --- में जानकारी दर्ज करेगी।	मौखिक रूप से	लिखित रुप में	अनुबंध	दस्तावेज़	2
22	बीमा-अनुबंध, एक पॉलिसी के रूप में हो अथवा एक संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) के रूप में, इसे --- कहा जाता हैं।	प्रस्ताव-प्रपत्र	संरक्षण	महत्वपूर्ण	विवरण-पुस्तिका	2
23	बीमा के लिए, प्रस्तावक द्वारा भरा जाने वाला एक प्रपत्र, जिस में, बीमा-कंपनी की आवश्यकता अनुसार, सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की जाती हैं, इसे --- कहा जाता हैं।	महत्वपूर्ण	संरक्षण	प्रस्ताव-प्रपत्र	घोषणा-प्रपत्र	3
24	--- का मतलब, बीमा-कंपनी द्वारा संरक्षित किए जाने वाले जोखिम के जोखिम-अंकन के संदर्भ में, सभी महत्वपूर्ण, आवश्यक, और प्रासंगिक जानकारी शामिल होगी।	संरक्षण	प्रस्ताव-प्रपत्र	महत्वपूर्ण	घोषणा-प्रपत्र	3
25	बीमा-कंपनी द्वारा अथवा उसकी ओर से, बीमा के संभावित खरीददारों के लिए, जारी किए जाने वाले दस्तावेज़ को, --- कहा जाता हैं।	प्रस्ताव-प्रपत्र	संरक्षण	विवरण-पुस्तिका	घोषणा-प्रपत्र	3
26	जहाँ, एक प्रस्ताव-प्रपत्र का प्रयोग नहीं किया जाता हैं, बीमा-कर्ता, मौखिक रूप से अथवा लिखित रूप में, प्राप्त जानकारी को दर्ज करेंगे, और --- की अवधि के भीतर, इसकी पुष्टि करेंगे।	30 दिनों	15 दिनों	45 दिनों	60 दिनों	2
27	एक अनुबंध के तहत, बीमा-कंपनी की देयता को सीमित करने के लिए, एक बीमा-अनुबंध में, क्या उपयोग किया जाता हैं?	समझौता	आश्वस्तियाँ	अनुबंध	बंध-पत्र	2
28	"आश्वस्ति" के संबंध में, सही कथन का चयन कीजिए।	यह, संरक्षण-पत्री (कव्हर-नोट) और पॉलिसी-दस्तावेज़, दोनों का एक भाग हैं।	यह, बीमा-पत्री और शर्तों के दस्तावेज़, दोनों का एक भाग हैं।	यह, नियमों एवं शर्तों के दस्तावेज़ का एक भाग हैं।	यह, न केवल बीमा-कंपनी की शर्तों का एक भाग हैं, बल्कि, एक पॉलिसी-दस्तावेज़ भी हैं।	1
29	अगर, आश्वस्ति का उल्लंघन किया जाता हैं, तो, शुरुआत में सहमत हुई जोखिम, बदल जाती हैं, और, --- को उल्लंघन की तारीख से आगे, --- के लिए अपने आपको मुक्त करने की अनुमति दी जाती हैं।	देयता, बीमा-कर्ता	बीमा-कर्ता, देयता	अभिकर्ता, बीमा-कर्ता	पॉलिसी-धारक और बीमा-कर्ता	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
30	किसे, हम एक मानक प्रपत्र में, पॉलिसियाँ जारी करने की, बीमा कंपनियों की मानक प्रथा, कहते हैं; जिसमें, कुछ जोखिमों को संरक्षित किया जाता हैं और कुछ अन्य को छोड़ दिया जाता हैं?	नियमित अभ्यास	पृष्ठांकन	शर्त / नियम	समझौता	1
31	--- और ---, एक साथ मिलकर, अनुबंध की साक्ष्य बनते हैं।	पॉलिसी और पृष्ठांकन	नियम एवं शर्तें	आश्वस्तियाँ और अनुबंध	बंध-पत्र और पृष्ठांकन	1
32	---, पॉलिसी और प्रपत्र से संलग्न होता हैं।	पृष्ठांकन	समझौता	नियम एवं शर्तें	पॉलिसी विश्लेषण की जानकारी	1
33	सही कथन चुनिए। पृष्ठांकन, सामान्यतः, --- से संबंधित पॉलिसी के तहत, आवश्यक होता हैं। (क) किसी अन्य स्थान पर संपत्ति का स्थानांतरण। (ख) बीमा को रद्द करना।	केवल, कथन-(क) लागू होता हैं।	केवल, कथन-(ख) लागू होता हैं।	दोनों, कथन-(क) तथा कथन-(ख), अलग-अलग लागू होते हैं।	दोनों, कथन-(क) तथा कथन-(ख), परस्पर विशिष्टता से लागू होते हैं।	3
34	पृष्ठांकन, सामान्यतः, --- में परिवर्तन से संबंधित, पॉलिसी के तहत, आवश्यक होता हैं।	जोखिम और पता	पता और नाम	जोखिम और पॉलिसी	प्रीमियम और जोखिम	1
35	बीमा के अनुबंध, लिखित रूप में व्यक्त किए जाते हैं, और बीमा-पॉलिसी की बातों का मसौदा किसके द्वारा तैयार किया जाता हैं?	अभिकर्ता	बीमा कंपनियाँ	बीमा-धारक	लाभार्थी	2
36	पॉलिसी के मार्जिन या उपान्त में, मुद्रित अथवा टाइप किए गए खण्डों को, पॉलिसी के मुख्य भाग में लिखी हुई बातों पर, --- दी जाएगी।	सबसे कम महत्वपूर्ण	समान महत्व	महत्वपूर्ण नहीं	अधिक महत्व	4
37	अगर, पॉलिसी के विवरण में कोई अस्पष्टता अथवा स्पष्टता की कमी होती हैं, तो, --- के नियम लागू किये जाते हैं।	पॉलिसी	एक सामान्य व्याकरण और विराम-चिह्न	खण्ड	बीमा कंपनियां	2
38	बीमा-पॉलिसी, निर्माण के एक व्यावसायिक --- की साक्ष्य हैं।	अनुबंध	नियम	अनुबंध और सामान्य नियम	सामान्य नियम	3
39	किसी दस्तावेज़ में, इसके विवरण का उपयोग और उसके अर्थ को, --- द्वारा, आसानी से समझा जा सकता हैं।	एक आम आदमी	सुशिक्षित व्यक्ति	प्रशिक्षित व्यक्ति	बीमा कंपनियाँ	1
40	बीमा पॉलिसियों में प्रयुक्त कईं शब्द, भूतकालीन कानूनी फैसलों का विषय रहे हैं, और एक --- के इस तरह के फैसले, एक --- के निर्णय पर बाध्यकारी होंगे।	निचली अदालत, ऊपरी अदालत	ऊपरी अदालत, निचली अदालत	ऊपरी अदालत, सर्वोच्च न्यायालय	सर्वोच्च न्यायालय, निचली अदालत	2
41	एक पॉलिसी-दस्तावेज के, निम्नलिखित भागों का, सही क्रम लगाइए। (i) प्रस्तावना (ii) प्रवर्ती खण्ड (iii) प्रावधान (iv) अनुसूची (v) अनुप्रमाणन (vi) शर्तें और विशेषाधिकार	(i), (iv), (v), (vi), (ii), और (iii)	(i), (iii), (iv), (v), (vi), और (ii)	(i), (v), (iii), (iv), (vi), और (ii)	(i), (ii), (iii), (iv), (vi), और (v)	1
42	पॉलिसी दस्तावेज की अनुसूची में कई महत्वपूर्ण ब्यौरे का उल्लेख हैं। निम्नलिखित में से कौन सा, अनुसूची में दिखाई नहीं दे सकता हैं।	प्रीमियम-राशि	पॉलिसी-संख्या	प्रस्तावक का नाम	प्रीमियम भुगतान की विधि	4
43	एन.सी.बी. के लिए सही विस्तारित रूप चुनिए।	राष्ट्रीय क्रेडिट ब्यूरो	कोई दावा नहीं अधिलाभांश (बोनस)	गैर-कमीशन युक्त बैंक	राष्ट्रीय सहकारी बैंक	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
44	प्रत्येक व्यक्ति द्वारा भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम की राशि, एक दर पर निर्भर करती हैं, जो, निम्नलिखित कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता हैं: क) एक नुकसान की घटना के कारण (एक बीमित-जोखिम के कारण) होने वाले नुकसान की संभाव्यता ख) नुकसान की अनुमानित राशि	केवल विकल्प-(क) लागू होता हैं।	केवल विकल्प-(ख) लागू होता हैं।	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ख), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ख), परस्पर विशिष्टता से लागू होते हैं।	3
45	अगर, आग के परिणाम स्वरूप, नुकसान की औसत राशि रुपए 2 लाख थी, और नुकसान की औसत संभाव्यता, 100 में से 1 थी, तो औसत अनुमानित नुकसान क्या हैं?	रुपये 1,000/-	रुपये 10,000/-	रुपये 2,000/-	रुपये 20,000/-	3
46	उप-कुंड (पूल), --- द्वारा बनाए जाते हैं। (क) जोखिमों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित करना (ख) जोखिम की मात्रा के आधार पर (ग) नुकसान की अनुमानित राशि	विकल्प-(क) और विकल्प-(ख), दोनों, एक साथ लागू होते हैं।	विकल्प-(क) और विकल्प-(ग), दोनों, एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(ख) और विकल्प-(ग), परस्पर विशिष्टता से लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ग), परस्पर विशिष्टता से लागू होते हैं।	1
47	जोखिम को वर्गीकृत करने और उनकी श्रेणी तय करने की प्रक्रिया, --- के लिए महत्वपूर्ण होती हैं।	अभिकर्ता	बीमा-कर्ता	दर-निर्धारण	बीमा-धारक	3
48	यह तय करने की प्रक्रिया, कि, क्या बीमा के लिए प्रस्तावित-जोखिम स्वीकार्य हैं, और यदि हाँ, तो किन दरों, नियमों और शर्तों पर, बीमा-संरक्षण को स्वीकार किया जाएगा, इसे, --- के रूप में जाना जाता हैं।	संरक्षण-पत्र	जोखिम-अंकन	बंध-पत्र	समझौता	2
49	एक तकनीकी अर्थ में, जोखिम-अंकन के लिए, निम्नलिखित में से, कौन से कदम शामिल होते हैं? (क) नुकसान की आवृत्ति और गंभीरता के संदर्भ में, खतरे और जोखिम का आकलन और मूल्यांकन (ख) पॉलिसी-संरक्षण और नियमों एवं शर्तों का निरूपण (ग) प्रीमियम की दरें तय करना	दोनों, (क) और (ख), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, (क) और (ग), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, (ख) और (ग), एक साथ लागू होते हैं।	(क), (ख), और (ग), सभी, एक साथ लागू होते हैं।	4
50	बीमा में सावधानी-पूर्वक जोखिम-अंकन और जोखिम-वर्गीकरण की जरूरत, इस साधारण तथ्य से उत्पन्न होती हैं, कि, --।	सभी जोखिम एक समान होते हैं	सभी जोखिम, एक समान नहीं होते हैं	कोई जोखिम, एक समान नहीं होते हैं	प्रत्येक जोखिम, एक समान होते हैं	2
51	जोखिम-अंकन कौशल, एक निरंतर सीखने की प्रक्रिया, --- के माध्यम से हासिल किया जाता हैं। क) पर्याप्त प्रशिक्षण ख) क्षेत्र-अनावरण (फिल्ड-एक्सपोजर) ग) गहरी अंतर्दृष्टि	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ख), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ग), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(ख) और विकल्प-(ग), एक साथ लागू होते हैं।	विकल्प-(क), विकल्प-(ख), और विकल्प-(ग), सभी, एक साथ लागू होते हैं।	4
52	एक समुद्री बीमा के जोखिम-अंकन-कर्ता को --- के बारे में पता होना चाहिए।	आग के कारण	पारगमन अथवा भंडारण में माल को होने वाली समस्याएँ	किसी उद्योग में शामिल प्रक्रियाएँ	आग का संभावित कारण	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
53	एक स्वास्थ्य जोखिम-अंकन-कर्ता को, बीमा-धारक के जोखिम-रुपरेखा के --- को समझने की जरूरत होती हैं। क) चिकित्सा-पहलुओं ख) एक उद्योग में शामिल प्रक्रिया ग) शारीरिक योग्यता के स्तर और पारिवारिक इतिहास	दोनों, (क) और (ख), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, (क) और (ग), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, (ख) और (ग), एक साथ लागू होते हैं।	(क), (ख), और (ग), सभी, एक साथ लागू होते हैं।	2
54	उत्पन्न होने वाले जोखिम की विशेषताओं और मात्रा के आधार पर, जोखिमों का वर्गीकरण करते हुए, प्रीमियम की एक उचित दर लगाई जा सकती हैं, यह इसका मुख्य उद्देश्य---------- हैं।	संरक्षण-पत्र	जोखिम-अंकन	बंध-पत्र	समझौता	2
55	जोखिम-अंकन की मुख्य विशेषता हैं: (क) विशेषताओं के आधार पर, जोखिम की पहचान (ख) प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जोखिम के स्तर का निर्धारण (ग) यह सुनिश्चित करना, कि, बीमा-व्यवसाय मजबूत आधारों पर संचालित किया जाता हैं।	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ख), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ग), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(ख) और विकल्प-(ग), एक साथ लागू होते हैं।	विकल्प-(क), विकल्प-(ख), और विकल्प-(ग), सभी, एक साथ लागू होते हैं।	4
56	अगर, बीमा-कंपनी, ऐसी जोखिमों पर पॉलिसियाँ जारी करती हैं, जो, बीमा-योग्य नहीं हैं अथवा जोखिम को संरक्षित करने के लिए आवश्यक की तुलना में बहुत कम प्रीमियम वसूल करती हैं, तो, इसका परिणाम --- होगा।	अनुबंधात्मक दायित्व	बीमा-कर्ता को अपने अनुबंधात्मक दायित्वों को पूरा करने की क्षमता को खतरे में डालना	अभिकर्ता की क्षमता को खतरे में डालना	बीमा-कर्ता के अनुबंधात्मक दायित्वों को पूरा करना	2
57	एक बीमा-कंपनी, जो, उन जोखिमों के लिए बहुत उच्च दर वसूल करना चाहती हैं, जो, ऐसी उच्च दरों की आश्वस्ति नहीं देती हैं, उसका व्यवसाय --- हो सकता हैं।	गैर-प्रतिस्पर्धी और अरक्षणीय	नुकसान पर	अ-रक्षणीय	भारी लाभ	1
58	संक्षेप में, जोखिम-अंकन के उद्देश्य, यह तय करके, पूरे किए जाते हैं: (क) स्वीकार्यता का स्तर (ख) प्रीमियम की पर्याप्तता (ग) अन्य शर्तें	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ख), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ग), एक साथ लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(ख) और विकल्प-(ग), परस्पर विशिष्टता से लागू होते हैं।	दोनों, विकल्प-(क) और विकल्प-(ग), परस्पर विशिष्टता से लागू होते हैं।	1
59	बीमा, --- के जोखिम के अंतरण पर आधारित हैं।	अभिकर्ता	बीमा-धारक	बीमा-कर्ता	लाभ	३
60	एक बीमा-पॉलिसी खरीद ने से, ---, जो उस जोखिम से उत्पन्न होती हैं, जिसके प्रति, संपत्ति का बीमा किया गया हैं।	बीमा-कर्ता, वित्तीय नुकसानों के प्रभाव को कम करने में सक्षम हैं	पॉलिसी, वित्तीय नुकसानों के प्रभाव को कम करती हैं	बीमा-धारक, वित्तीय नुकसानों के प्रभाव को कम करने में सक्षम हैं	अभिकर्ता, वित्तीय नुकसानों के प्रभाव को कम करने में सक्षम हैं	3
61	कौन सा बीमा, दुर्घटना के कारण, अचानक मृत्यु अथवा विकलांगता के परिणाम-स्वरूप उत्पन्न होने वाले वित्तीय नुकसानों से बीमा-धारक की सुरक्षा करने में मदद करता हैं?	स्वास्थ्य	मोटर	व्यक्तिगत दुर्घटना	व्यक्तिगत	3
62	--- दुर्घटना, बीमा में शामिल नहीं होती हैं। (क) लाइलाज बीमारी (ख) पहले से मौजूद बीमारी (ग) यातायात दुर्घटनाएँ (घ) औद्योगिक दुर्घटनाएँ	(क) और (ग), दोनों सही हैं।	(क) और (ख), दोनों सही हैं।	(ख) और (ग), दोनों सही हैं।	(ग) और (घ), दोनों सही हैं।	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
63	--- दुर्घटना, बीमा में शामिल नहीं होती हैं। (क) मानसिक विकार (ख) रोजमर्रा की गतिविधियों में चोट लगने की घटनाएँ (ग) काम के दौरान लगने वाली चोट (घ) पहले से मौजूद, शारीरिक विकार	(क) और (ग), दोनों सही हैं।	(क) और (घ), दोनों सही हैं।	(ख) और (घ), दोनों सही हैं।	(ग) और (घ), दोनों सही हैं।	2
64	एक व्यक्तिगत दुर्घटना पॉलिसी, --- को संरक्षित करती हैं। (क) दुर्घटना से होने वाली मृत्यु (ख) स्थायी संपूर्ण विकलांगता (ग) बीमारी (घ) गर्भावस्था की समस्याएँ	(क) और (ख), दोनों सही हैं।	(क) और (घ), दोनों सही हैं।	(ख) और (ग), दोनों सही हैं।	(ग) और (घ), दोनों सही हैं।	1
65	अस्थायी संपूर्ण विकलांगता और दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से संरक्षण के लिए, --- की पॉलिसियां हैं। (क) व्यक्तिगत दुर्घटना (ख) स्वास्थ्य-बीमा (ग) मोटर-वाहन बीमा (घ) औद्योगिक श्रमिक बीमा	विकल्प-(क) और विकल्प-(ख), दोनों सही हैं।	विकल्प-(क) और विकल्प-(घ), दोनों सही हैं।	विकल्प-(ख) और विकल्प-(घ), दोनों सही हैं।	विकल्प-(ग) और विकल्प-(घ), दोनों सही हैं।	2
66	बीमा योजनाएँ, सामान्यतः, --- और आकस्मिकताओं के लिए देय राशियों को संरक्षित करती हैं।	परिभाषित खण्ड	आवश्यक आकस्मिकताएँ	सामान्य नियम	अनुबंध अथवा ठेके	2
67	निम्नलिखित में से कौन सा एक, बीमा के लिए एक अनुपूरक (ऐड-ऑन) संरक्षण नहीं है? (क) चिकित्सा खर्चे (ख) पारिवारिक परिवहन (ग) आयातित दवाएँ (घ) बेरोजगारी के खर्चे	केवल विकल्प-(क) सही हैं।	केवल विकल्प-(ख) सही हैं।	केवल विकल्प-(ग) सही हैं।	केवल विकल्प-(घ) सही हैं।	4
68	आम तौर पर, व्यक्तिगत दुर्घटना पॉलिसियाँ, दुनिया भर में, --- घंटे के आधार पर, उपलब्ध संरक्षण प्रदान करती हैं।	24	12	48	50	1
69	एक स्वास्थ्य-बीमा-पॉलिसी के आवेदक के लिए, प्रवेश की न्यूनतम आयु और अधिकतम आयु --- होती हैं।	5 वर्ष और 80 वर्ष	16 वर्ष और 100 वर्ष	21 वर्ष और 90 वर्ष	18 वर्ष और 80 वर्ष	4
70	जीवन भर के लिए, पूरी तरह से विकलांग, अर्थात, सभी चार अंगों का पक्षाघात, कोमा की स्थिति, दोनों आँखों अथवा दोनों हाथों अथवा दोनों अंगों अथवा एक हाथ और एक आंख और एक पैर अथवा एक हाथ और एक पैर के नुकसान को --- के रूप में जाना जाता हैं।	स्थायी संपूर्ण विकलांगता (पी.टी.डी.)	स्थायी आंशिक विकलांगता (पी.पी.डी.)	अस्थायी संपूर्ण विकलांगता (टी.टी.डी.)	संपूर्ण विकलांगता (टी.डी.)	1
71	जीवन भर के लिए आंशिक रूप से विकलांगता को, --- के रूप में जाना जाता हैं।	स्थायी संपूर्ण विकलांगता (पी.टी.डी.)	स्थायी आंशिक विकलांगता (पी.पी.डी.)	अस्थायी संपूर्ण विकलांगता (टी.टी.डी.)	संपूर्ण विकलांगता (टी.डी.)	2
72	अस्थायी समय-अवधि के लिए, पूरी तरह से विकलांगता को --- के रूप में जाना जाता हैं।	स्थायी संपूर्ण विकलांगता (पी.टी.डी.)	स्थायी आंशिक विकलांगता (पी.पी.डी.)	अस्थायी संपूर्ण विकलांगता (टी.टी.डी.)	संपूर्ण विकलांगता (टी.डी.)	3
73	सप्ताहों की एक अधिकतम संख्या के लिए, प्रति सप्ताह एक निश्चित राशि के भुगतान को, जिसके लिए मुआवजा देय होगा, --- के रूप में जाना जाता हैं।	साप्ताहिक मुआवजा	प्रतिदिन	4 सप्ताहों का जोड़	संख्या-निर्धारित सप्ताह	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
74	स्थायी अंशिक विकलांगता (पी.पी.डी.) की स्थिति में, --- और --- में, बीमा-राशि का भुगतान शामिल होता हैं, मुआवजा बीमा-राशि के एक निश्चित प्रतिशत से भिन्न होता हैं।	मृत्यु-लाभ, अस्थायी संपूर्ण विकलांगता (टी.टी.डी.)	मृत्यु-लाभ, स्थायी अंशिक विकलांगता (पी.पी.डी.)	मृत्यु-लाभ, स्थायी संपूर्ण विकलांगता (पी.टी.डी.)	अस्थायी संपूर्ण विकलांगता (टी.टी.डी.), स्थायी अंशिक विकलांगता (पी.पी.डी.)	3
75	निम्नलिखित में से कौन सा एक, --- से उत्पन्न होने वाली विकलांगता का एक आम अपवर्जन नहीं हैं? (क) स्वयं को चोट अथवा आत्महत्या (ख) युद्ध और संबद्ध आपदाएँ (ग) शराब अथवा नशीले पदार्थों के प्रभाव में दुर्घटना (घ) कर्तव्य पर रहते हुए दुर्घटना	केवल विकल्प-(क) सही हैं।	केवल विकल्प-(ख) सही हैं।	केवल विकल्प-(ग) सही हैं।	केवल विकल्प-(घ) सही हैं।	4
76	निम्नलिखित में से कौन, बीमा-पॉलिसी नहीं ले सकते हैं? (क) एक वयस्क व्यक्ति, स्वयं के लिए (ख) एक वयस्क व्यक्ति, परिवार के लिए (ग) एक नाबालिग, स्वयं के लिए (घ) एक नियोक्ता, सभी कामगारों के लिए	केवल विकल्प-(क) सही हैं।	केवल विकल्प-(ख) सही हैं।	केवल विकल्प-(ग) सही हैं।	केवल विकल्प-(घ) सही हैं।	3
77	चूंकि, एक खोए हुए जीवन अथवा एक खोए हुए अंग के मूल्य का अनुमान नहीं किया जा सकता हैं अथवा क्षतिपूर्ति नहीं की जा सकती हैं, ऐसी विकलांगताओं के लिए देय राशियों को --- कहा जाता हैं।	लाभ	नुकसान	परिपक्वता	बकाया भुगतान	1
78	कंपनी द्वारा प्रस्तावित बीमा-राशि, --- पर आधारित होती हैं।	बीमा-धारक की आय	पॉलिसी की शर्तें	बीमा-दस्तावेज में उल्लेखित समझौता	कोई नहीं।	1
79	अगर, किसी व्यक्ति के पास, विभिन्न बीमा कंपनियों के साथ की, एक से अधिक पॉलिसीयाँ हैं, तो, दुर्घटना में मृत्यु, स्थायी संपूर्ण विकलांगता (पी.टी.डी.), स्थायी अंशिक विकलांगता (पी.पी.डी.) की स्थिति में, --- के तहत, दावों का भुगतान किया जाएगा।	पहली पॉलिसी	सभी पॉलिसियों	नवीनतम पॉलिसी	पसंदीदा	2
80	प्रीमियम की गणना, किन कारकों पर निर्भर हो सकती हैं? (क) निवास का शहर (ख) पेशा (ग) आयु (घ) व्यक्ति की वित्तीय क्षमता	कारक-(क) और कारक-(ख), दोनों सही हैं।	कारक-(ख) और कारक-(ग), दोनों सही हैं।	कारक-(ख) और कारक-(घ), दोनों सही हैं।	कारक-(ग) और कारक-(घ), दोनों सही हैं।	2
81	बीमा के प्रयोजन के लिए, --- जैसी आपदाओं के कारण वर्जित नुकसान को संरक्षित नहीं किया जाता हैं।	मशीनरी खराबी	आयनीकरण और विकिरण	प्रदूषण और संदूषण संबंधी नुकसान	युद्ध और युद्ध जैसी गतिविधियाँ	4
82	आग की वजह से नुकसान के प्रति संरक्षण को, --- तक की एक अवधि के लिए, बीमा द्वारा संरक्षित किया जा सकता हैं।	6 महीने	1 वर्ष	5 वर्ष	आजीवन	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
83	सामयिक (फ्लोटर) पॉलिसियों के मामले में, प्रीमियम---- स्वरुप, फिर, अलग-अलग बीमा-कंपनी के मामले में, भिन्न हो सकते हैं।	दराकंन	भुगतान	गणना	जोखिम-अंकन	1
84	जल्दी चलने वाले उपभोक्ता सामान (एफ.एम.सी.जी.) कंपनियाँ, जो बिक्री-योग्य भण्डार के सामानों को, विभिन्न स्थानों पर, भंडारित करते हैं, एक आम प्रीमियम और बीमा-राशि के तहत, अपनी वस्तु-सूची को संरक्षित करने के लिए, उन्हें, किस प्रकार की बीमा पॉलिसियाँ चुननी चाहिए?	सामान-बीमा पॉलिसियाँ	पारगमन-बीमा पॉलिसियाँ	गोदाम-सुरक्षा-बीमा	अस्थायी-बीमा पॉलिसियाँ	4
85	भंडारित सामान-बीमा के लिए वसूल किया जाने वाला प्रीमियम, निम्नलिखित मानकों में से, --- पर निर्भर नहीं करता हैं।	लागू खतरे की हद	भंडारित सामान की प्रकृति	ऐसे सामानों की बिक्री पर अपेक्षित मुनाफ़ा	वर्ष का समय	3
86	एक व्यावसायिक उद्यम को, निम्नलिखित बीमा के प्रकारों में से, किस की जरूरत नहीं होगी?	अवैध धन को वैध बनाने के खिलाफ बीमा	अग्नि-बीमा	परिणामी नुकसान बीमा	बैंकर क्षतिपूर्ति बीमा	1
87	--- कर्मचारियों, परिवार के सदस्यों अथवा अन्य व्यक्तियों द्वारा चोरी को संरक्षित नहीं करता हैं।	परिणामी नुकसान बीमा	सेंधमारी-बीमा	धनराशि बीमा	बैंकर क्षतिपूर्ति बीमा	2
88	एक उद्यम को, कार्यालय के स्थान पर अथवा किसी बाहरी स्थान पर, नकदी का कामकाज करते समय, नुकसान की घटना का सामना करना पड़ सकता हैं। इस तरह के नुकसानों को, --- द्वारा संरक्षित किया जाता हैं।	परिणामी नुकसान बीमा	सेंधमारी बीमा	धनराशि बीमा	बैंकर क्षतिपूर्ति बीमा	3
89	एक व्यावसायिक उद्यम और एक व्यक्ति की बीमा की जरूरतों के बीच के अंतर को बताइए।	एक व्यावसायिक उद्यम की बीमा की जरूरतें, एक व्यक्ति की बीमा की जरूरतों की तुलना में, बहुत अधिक होती हैं।	एक व्यावसायिक उद्यम की बीमा की जरूरतें, एक व्यक्ति की बीमा की जरूरतों की तुलना में, बहुत कम होती हैं।	एक व्यावसायिक उद्यम की बीमा की जरूरतें, एक व्यक्ति की बीमा की जरूरतों के, समान होती हैं।	एक व्यावसायिक उद्यम की बीमा की जरूरतें और एक व्यक्ति की बीमा की जरूरतें, इन में कोई सह-संबंध नहीं होता हैं।	1
90	एक व्यावसायिक उद्यम और एक व्यक्ति के परिसंपत्ति-मूल्य की तुलना कीजिए।	एक व्यावसायिक उद्यम की संपत्ति का मूल्य, एक व्यक्ति की संपत्ति के मूल्य की तुलना में, बहुत अधिक होता हैं।	एक व्यावसायिक उद्यम की संपत्ति का मूल्य, एक व्यक्ति की संपत्ति के मूल्य की तुलना में, बहुत कम होता हैं।	एक व्यावसायिक उद्यम की संपत्ति का मूल्य, एक व्यक्ति की संपत्ति के मूल्य के, समान होता हैं।	एक व्यावसायिक उद्यम की संपत्ति के मूल्य, एक व्यक्ति की संपत्ति के मूल्य की तुलना, नहीं की जा सकती हैं।	1
91	व्यक्तियों द्वारा लिए जाने वाले बीमा की तुलना में, एक व्यावसायिक उद्यम द्वारा लिए जाने वाले बीमा के पीछे के कारणों में अंतर बताइए।	एक बड़े उद्यम में, बीमा की माँग, अक्सर, कुछ कानूनी आवश्यकताओं के अनुसार, अनिवार्य होती हैं।	व्यक्तियों द्वारा लिया गया बीमा, भविष्य के वित्तीय नियोजन के लिए होता हैं।	दोनों, आपदाओं के कारण लगने वाले आघात को कम करने के लिए बीमा-संरक्षण लेते हैं।	बड़े उद्यमों को हुई मौद्रिक-क्षति, व्यक्तियों के मामले की तुलना में, बड़ी होती हैं।	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
92	--- मूल्य पॉलिसियाँ, भण्डार को संरक्षित करने के लिए, जारी नहीं की जाती हैं, जिनको, बाजार-मूल्य के आधार पर संरक्षित किया जाता हैं।	पुनर्स्थापन	घोषणा	संपूर्ण संरक्षण	प्रीमियम	1
93	परिणामी नुकसान पॉलिसी, उस नुकसान के लिए क्षतिपूर्ति प्रदान करती हैं, जिसे, --- के रूप में जाना जाता हैं।	सकल लाभ	शुद्ध लाभ	शुद्ध लाभ - स्थायी शुल्क	सकल लाभ - स्थायी शुल्क	1
94	परिणामी नुकसान पॉलिसी, निम्नलिखित में से, केवल किसके संयोजन में, ली जा सकती हैं?	सेंधमारी बीमा	सामयिक (फ्लोटर) बीमा-पॉलिसी	मानक अग्नि और विशेष जोखिम	धनराशि-बीमा	3
95	--- पॉलिसी, नामों अथवा पदनामों को दिखाए बिना, पूरे कर्मचारी-गण को संरक्षित करती हैं।	व्यापक बीमा	निगमित बीमा	समूह-बीमा	एकत्रित बीमा	1
96	एन.बी.एफ.सी. के लिए सही विस्तारित रूप चुनिए।	वित्तीय कंपनियों का राष्ट्रीय ब्यूरो	गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी	गैर-बैंक वित्त कंपनी	गैर-बैंकिंग वित्तीय निगम	2
97	निम्नलिखित कृत्यों में से कौन सा एक, बैंकर क्षतिपूर्ति बीमा के तहत संरक्षित नहीं किया जाता हैं?	बेईमान कर्मचारी	प्राप्तियों की जालसाजी	नकदी की चोरी	बाजार की मुद्रास्फीति	4
98	बैंकर क्षतिपूर्ति बीमा के लिए, प्रीमियम की गणना, --- पर आधारित नहीं होती हैं।	अतिरिक्त बीमा-राशि	कर्मचारियों की संख्या	शाखाओं का स्थान	शाखाओं की संख्या	3
99	जौहरी-ब्लॉक पॉलिसी के कौन से खंड के तहत, संरक्षण अनिवार्य हैं?	धारा 1	धारा 2	धारा 3	धारा 4	1
100	जौहरी-ब्लॉक पॉलिसी का कौन सा खंड, उन स्थितियों के तहत, नुकसानों अथवा क्षतियों को संरक्षित करता हैं, जहाँ, बीमा में उल्लेखित संपत्ति, बीमा-धारक और अन्य निर्दिष्ट व्यक्ति के कब्जे में होती हैं?	धारा 1	धारा 2	धारा 3	धारा 4	2
101	बीमा-राशि, --- होने पर जोखिम-निरीक्षण किया जाता हैं।	बड़ी	छोटी	मामूली	मध्यम	1
102	जोखिम-निरीक्षण, आम तौर पर, --- दवारा किया जाता हैं।	अभियंता	बीमा-कर्ता	पॉलिसी-धारक	सरकार	1
103	जोखिम-निरीक्षण, --- की दरें तय करने के लिए किया जाता हैं।	प्रीमियम	अधिलाभांश (बोनस)	वेतन	पारिश्रमिक	1
104	(भारतीय) बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.(आई.)) अधिनियम की कौन सी धारा "सर्वेक्षकों और नुकसान-मूल्यांककों को लाइसेंस देने से संबंधित मामलों" और उनकी भूमिकाओं तथा जिम्मेदारियों से संबंधित हैं?	धारा 64J	धारा 64A	धारा 64R	धारा 64UM	4
105	--- विशिष्ट क्षेत्रों में नुकसानों का निरीक्षण और मूल्यांकन करने में विशेषज्ञ होते हैं।	मूल्यांकक	सर्वेक्षक	हानि-निर्धारक	दावा	2
106	बीमा सर्वेक्षक और नुकसान-मूल्यांकक विनियम अधिनियम, वर्ष: ---, में तैयार किया गया था।	2000	1996	2003	1992	1
107	'बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999' की इनमें से कौन सी धाराएँ, बीमा-सर्वेक्षक और नुकसान-मूल्यांकक विनियम अधिनियम के लिए लागू होती हैं?	धारा 26	धारा 19	धारा 41	धारा 55	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
108	सर्वेक्षकों और नुकसान-मूल्यांककों को कितनी श्रेणियों में परिभाषित किया गया हैं?	4	3	5	6	2
109	बीमा अधिनियम की धारा 64 यूएम के अनुसार, नियुक्त किए जाने वाले एक व्यक्तिगत सर्वेक्षक के लिए, एक बीमा-पॉलिसी पर लागू होने वाली, न्यूनतम दावा-राशि, --- हैं।	रुपए 50,000/-	रुपए 25,000/-	रुपए 20,000/-	रुपए 45,000/-	3
110	एक सर्वेक्षक और नुकसान-मूल्यांकक को, अपना मूल्यांकन-प्रतिवेदन, प्रस्तुत करने के लिए, आवंटित समय-अवधि --- दिनों की होती हैं।	15	30	45	60	2
111	मध्यस्थता का खण्ड, --- बीमा पर लागू नहीं होता हैं।	सामान	समुद्री	मोटर (ऑटो-मोबाइल)	कृषि	2
112	अगर, एक औद्योगिक-बीमा-पॉलिसी प्राप्त करते समय, बीमा-धारक ने, पूर्ण-प्रकटीकरण नहीं किया हैं, और विश्वास के उलंघन (Breach of Trust) का उत्तरदायी हैं, और बीमा-कंपनी ने दावे के निपटान से मना कर दिया हैं, तो, वे दोनों, --- के माध्यम से, इस मामले का निपटारा कर सकते हैं।	शिकायत-निवारण प्राधिकरण	बीमा-लोकपाल	मुकदमेबाजी	उपभोक्ता-मंच	3
113	दायित्व के सवाल से संबंधित विवादों को, --- के माध्यम से सुलझाया जाता हैं।	आपसी सहमति	लोकपाल	मुकदमेबाजी	बीमांकक	3
114	मध्यस्थता और समाधान अधिनियम, ---, में तैयार किया गया था।	1992	1995	1996	1999	3
115	बाढ़ अथवा चक्रवात की वजह से नुकसान के मामले में, एक दावे का आवेदन करने के लिए, --- के एक प्रतिवेदन की आवश्यकता होगी।	पुलिस विभाग	मौसम विज्ञान कार्यालय	आग्नि विभाग	सर्वेक्षक अथवा हानि-निर्धारक	2
116	पुलिस-प्रतिवेदन की जरूरत, निम्नलिखित मामलों में से किस में, नहीं हो सकती हैं?	चक्रवात से क्षति	आग्नि क्षति	सड़क दुर्घटना में क्षति	पारगमन में क्षतिग्रस्त	1
117	किसी नुकसान की घटना पर, बीमा-धारक से इस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा की जाती हैं, जैसे कि, उनका बीमा नहीं हुआ हैं। दूसरे शब्दों में, नुकसान को --- के लिए कदम उठाना, उनका एक कर्तव्य हैं।	कम से कम करने	आकलन करने	सुरक्षा करने	परियोजना	1
118	--- के कानूनी नियम, यह तय करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं, कि, क्या नुकसान एक बीमित-जोखिम की वजह से हुआ हैं अथवा एक अपवर्जित-जोखिम की वजह से हुआ हैं।	नुकसान के आकलन	नुकसान को कम करने	आसन्न / नजदीक कारण	हानि-संरक्षण	3
119	यह साक्ष्य जुटाने का दायित्व, --- पर हैं, कि, घटित नुकसान, बीमा-पॉलिसी के दायरे में हैं।	बीमा-कर्ता	बीमा-धारक	सर्वेक्षक अथवा हानि-निर्धारक	जोखिम-अंकन-कर्ता	2
120	एक क्षतिग्रस्त वाहन से संबंधित परन्तु, किराया-खरीद समझौते के तहत, किया गया दावा-निपटान, --- होगा।	वाहन-मालिक को दिया गया	विचाराधीन	रोक कर रखा गया	वित्त-पोषकों को दिया गया	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
121	बीमा कंपनियों को तथ्यात्मक जानकारी की आवश्यकता क्यों होती हैं?	दस्तावेजीकरण-प्रयोजन	जोखिम की स्वीकृति और संबद्ध नियमों एवं शर्तों पर निर्णय लेना	नियामक आवश्यकताओं का पालन करना	ग्राहक-सेवा में सुधार करना	2
122	एक वैध अनुबंध का कौन सा तत्व, बीमा प्रीमियम से संबंधित हैं?	प्रस्ताव और स्वीकृति	अनुबंध के पक्षों की क्षमता	मुक्त सहमति	प्रतिफल	4
123	उस विकल्प की पहचान कीजिए, जो, किसी धोखाधड़ी के इरादे से दिए जाने वाले असत्य कथनों से संबंधित हैं।	प्रतिनिधित्व	असत्य-कथन	जबरदस्ती	धोखाधड़ी	2
124	उस विकल्प की पहचान कीजिए, जिसे, एक वैध अनुबंध के रूप में देखा जा सकता हैं।	श्री. रमेश, कम भाव पर, अपने मित्र से, कोई संपत्ति खरीदते हैं।	श्री. रमेश, ऐसी स्थिति में, एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हैं, जब, उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं हैं।	श्री. रमेश, एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए, एक अधिकारी को रिश्वत देते हैं।	श्री. महेश से, एक अनुबंध पर हस्ताक्षर कराने के लिए, श्री. रमेश, झूठी जानकारी प्रस्तुत करते हैं।	1
125	जुआ और बीमा की तुलना कीजिए।	जुआ और बीमा, दोनों, एक समान हैं।	जुआ में कोई बीमा-योग्य-हित शामिल नहीं होता हैं, लेकिन, बीमा में यह होता हैं।	बीमा का केवल लाभकारी परिणाम होता हैं, जब कि, जुआ का परिणाम नुकसान हो सकता हैं।	जुआ, कानूनी रूप से लागू करने योग्य हैं, जब कि, बीमा ऐसा नहीं हैं।	2
126	contract of Adhersion को सारांशित कीजिए।	यह अनुबंध, दोनों पक्षों द्वारा तैयार किए जाते हैं, और दोनों के द्वारा स्वीकार किए जाने चाहिए।	यह अनुबंध, एक पक्ष द्वारा तैयार किए जाते हैं, और दूसरा पक्ष, केवल इसे स्वीकार अथवा अस्वीकार कर सकता हैं।	यह अनुबंध, एक पक्ष द्वारा तैयार किए जाते हैं, और दूसरे पक्ष को इसे स्वीकार करना होता हैं।	यह अनुबंध, दोनों पक्षों पर, बाध्यकारी होते हैं।	2
127	श्री. रमेश, कंपनी को बेचने से पहले, कंपनी के तुलन-पत्र में, हेरफेर करते हैं। उनकी कार्रवाई को, निम्नलिखित विकल्पों में से एक में, वर्गीकृत कीजिए।	गलती	जबरदस्ती	असत्य-कथन	धोखाधड़ी	4
128	जीवन-बीमा की विषय-वस्तु क्या होती हैं?	प्रीमियम	मानव-जीवन	संपत्ति	साख	2
129	परम सद्भाव के सिद्धांत को दर्शाने वाले परिदृश्य का चयन कीजिए।	प्रीमियम का समय पर भुगतान करना।	एक बीमा प्रस्ताव-प्रपत्र पर, सभी तथ्यात्मक जानकारियों का खुलासा करना।	एक बीमा प्रस्ताव-प्रपत्र पर, सभी तथ्यात्मक जानकारियाँ, झूठी बताना।	एक बीमा प्रस्ताव-प्रपत्र पर, सभी अप्रासंगिक जानकारियों का खुलासा करना।	2
130	जीवन-बीमा के संबंध में, निम्नलिखित दो कथनों को देखिए, और सही विकल्प अथवा विकल्पों का चयन कीजिए। I: आयु, एक तथ्यात्मक जानकारी हैं, जो, जोखिम-अंकन की शर्तों को प्रभावित कर सकती हैं। II: अगर, आयु अलग पाई जाती हैं, तो, इसका प्रभाव केवल प्रीमियम-दर पर पड़ता हैं।	केवल कथन-I सत्य हैं।	केवल कथन-II सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, सत्य हैं।	दोनों, कथन-I एवं कथन-II, असत्य हैं।	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
131	सामान्य क़ानून के तहत, किसी अनुबंध को खारिज करने के लिए, एक कारण का चयन कीजिए।	निराशा	गलती	असत्य-कथन	छिपाव	3
132	बीमा-अनुबंध खरीदे जाते समय, इसकी शर्तें निर्धारित करने के लिए, इस्तेमाल किए जाने वाले, दस्तावेज़ के बारे में बताइए। सबसे उचित विकल्प चुनिए।	पॉलिसी	समझौता	प्राधिकार	पृष्ठांकन	1
133	जीवन-बीमा की विषय-वस्तु में बीमा-धारक के हित को रेखांकित करें। सबसे उचित विकल्प चुनिए।	सट्टा हित	दांव का हित	बीमा-योग्य-हित	क्षतिपूर्ति का हित	3
134	बीमा-कंपनी और बीमा-धारक के बीच के समझौते का वर्णन, आप कैसे करेंगे? सबसे उचित विकल्प चुनिए।	अंतरिम समझौता	अस्थायी समझौता	स्थाई (नियत)समझौता	आकस्मिक समझौता	4
135	सामान्यतया वैध अनुबंधों और बीमा अनुबंधों के बीच का मुख्य अंतर यह हैं कि, --.	बीमा-अनुबंध, परम सद्भाव के सिद्धांत होते हैं।	बीमा-अनुबंध, कानूनी तौर पर, लागू किए जाने योग्य अनुबंध होते हैं।	बीमा-अनुबंध, हमेशा, लाभकारी होते हैं।	बीमा-अनुबंध, किसी भी विनियम के अधीन, नहीं होते हैं, चाहे जो भी हो।	1
136	श्री राजन को उस मुद्दे अथवा समय के बारे में बताइए, जब, जीवन-बीमा के मामले में, बीमा-योग्य-हित मौजूद होना चाहिए।	केवल, पॉलिसी लेने के समय।	केवल, दावा करने के समय।	पॉलिसी लेने के समय, और दावा करने के समय।	जीवन-बीमा के मामले में, कोई बीमा-योग्य-हित होना, आवश्यक नहीं होता हैं।	1
137	सुश्री. अनीता को उस मुद्दे अथवा समय के बारे में बताइए, जब, संपत्ति-बीमा के मामले में, बीमा-योग्य-हित मौजूद होना चाहिए।	केवल, पॉलिसी लेने के समय।	केवल, दावा करने के समय।	पॉलिसी लेने के समय, और दावा करने के समय।	संपत्ति-बीमा के मामले में, कोई बीमा-योग्य-हित होना, आवश्यक नहीं होता हैं।	3
138	श्री. महेश ने, अपने मकान पर, एक बीमा-पॉलिसी ली हैं। वह, पॉलिसी लेने के दो महीनों के बाद, अपना मकान बेच देते हैं। अगर मकान को कोई क्षति होती हैं, तो क्या श्री. महेश दावा प्राप्त कर सकते हैं?	हाँ, क्योंकि, पॉलिसी लेने के समय बीमा-योग्य-हित मौजूद था।	हाँ, अगर मकान के वर्तमान मालिक, अनुमति देते हैं।	हाँ, अगर, मकान बेचे जाने के एक वर्ष के भीतर, क्षति होती हैं।	नहीं, क्योंकि, यहाँ कोई बीमा-योग्य-हित मौजूद नहीं हैं।	4
139	श्री. राजन, एक घोड़े से गिरे, और कीचड़ में पहुंच गए। उन्हें, काफी देर तक कीचड़ में पड़े रहना पड़ा, क्योंकि, गिरने से, उनका पैर टूट गया था, जिसके परिणाम-स्वरूप, वे गंभीर निमोनिया की जकड़ में आ गए। एक नजदीक के अस्पताल में, उनका इलाज किया गया, जहाँ, निमोनिया के कारण, उनकी मृत्यु हो गयी। इस मामले में, मृत्यु का आसन्न या नजदीक कारण क्या हैं?	निमोनिया	गिरने के कारण पैर में लगी चोट	चिकित्सकों की लापरवाही	अस्पताल का उपचार	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
140	श्री. रमेश विवाहित हैं, और अपने मित्र के जीवन पर एक जीवन-बीमा-संरक्षण खरीदना चाहते हैं। ऐसा करने में, क्या वह सक्षम होंगे?	हाँ, श्री. रमेश, अपने मित्र के जीवन पर बीमा खरीद सकते हैं।	नहीं, श्री. रमेश, अपने मित्र के जीवन पर बीमा नहीं खरीद सकते हैं, क्योंकि, वह विवाहित हैं।	नहीं, श्री. रमेश, अपने मित्र के जीवन पर जीवन-बीमा नहीं खरीद सकते हैं, क्योंकि, यहाँ, कोई बीमा-योग्य-हित मौजूद नहीं हैं।	नहीं, श्री. रमेश, क्रेता सावधान के सिद्धांत के कारण, अपने मित्र के जीवन पर जीवन-बीमा नहीं खरीद सकते हैं।	3
141	निम्नलिखित संस्थाओं में से कौन सी, भारत में, बीमा कंपनियों को नियंत्रित करती हैं?	भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) तथा वित्त मंत्रालय, एक साथ	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी)) और भारतीय पारस्परिक निधि (ए.एम.एफ.आई.), एक साथ	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	वित्त-मंत्रालय	3
142	निम्नलिखित में से कौन, भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.) द्वारा विनियमित नहीं होते हैं?	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.)	बीमा-दलाल (ब्रोकर)	चालू खाता-बचत खाता (सी.ए.-एस.ए. (कासा)) अभिकर्ता	निगमित अभिकर्ता	3
143	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक, गलत हैं?	बीमा विनियम का मुख्य उद्देश्य, पॉलिसी-धारक की रक्षा करना हैं।	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.) द्वारा बनाये गए विनियम, यह सुनिश्चित करने के लिए हैं, कि, बीमा-कंपनियाँ, आर्थिक रूप से सुदृढ़ संगठनों के रूप में नहीं, बल्कि, सामाजिक रूप से जिम्मेदार संगठनों के रूप में मौजूद हैं।	बीमा, भारतीय संविदा अधिनियम और देश के अन्य कानूनों के प्रावधानों के अनुपालन में, एक पूर्णतः वैध अनुबंध हैं।	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.), पंजीकरण के बाद से, कंपनियों को नियंत्रित करता हैं, और उनकी सभी प्रमुख गतिविधियों, जैसे, निवेश, लेखांकन, आदि की निगरानी करता हैं।	1
144	बीमा विनियमन का मुख्य उद्देश्य क्या हैं? सबसे उचित उत्तर चुनिए।	यह सुनिश्चित करना, कि, ग्रामीण क्षेत्रों और आबादी के कमजोर वर्गों को, पर्याप्त बीमा-संरक्षण प्राप्त होता हैं।	यह सुनिश्चित करना, कि, बीमा-कंपनियाँ, पर्याप्त लाभ अर्जित करती हैं, ताकि, वे, लंबे समय तक, अस्तित्व में बने रह सकें।	यह सुनिश्चित करना, कि, बीमा-संरक्षण, भारत के सभी नागरिकों को दिया जाता हैं।	पॉलिसी-धारक की रक्षा करना	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
145	निम्नलिखित में से कौन सी संस्था, भारत में, व्यक्तिगत अभिकर्ता के रूप में काम करने के लिए, अनुज्ञप्ति जारी कर सकती हैं?	वित्त-मंत्रालय	भारत सरकार	भारतीय जीवन-बीमा निगम (एल.आई.सी.) और भारतीय साधारण-बीमा निगम (जी.आई.सी.), संयुक्त रूप से	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	4
146	निम्नलिखित संस्थाओं में से कौन सी, भारत में, पूँजी-बाजार को नियंत्रित करती हैं?	भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.)	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी))	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	भारतीय पारस्परिक निधि (ए.एम.एफ.आई.)	2
147	निम्नलिखित संस्थाओं में से कौन सी, भारत में, बैंकों को नियंत्रित करती हैं?	भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.)	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी))	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	भारतीय पारस्परिक निधि (ए.एम.एफ.आई.)	1
148	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.) को, निम्नलिखित संस्थाओं में से किस के द्वारा, नियंत्रित किया जाता हैं?	जीवन-बीमा परिषद और साधारण-बीमा परिषद, संयुक्त रूप से।	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	भारतीय बीमा-दलाल (ब्रोकर) संगठन	वित्त-मंत्रालय	2
149	निम्नलिखित में से कौन सा, देश का बुनियादी बीमा क़ानून हैं, जो, भारत में, बीमा-व्यवसाय को नियंत्रित करता हैं?	बीमा अधिनियम, 1938.	बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.) अधिनियम, 1999.	निक्षेप बीमा एवं ऋण जमानत निगम अधिनियम, 1961.	सार्वजनिक देयता बीमा अधिनियम, 1991.	2
150	ऐसे बीमा-अभिकर्ता, जिन के पास, जीवन-बीमा-कंपनी, साधारण-बीमा-कंपनी, स्वास्थ्य-बीमा-कंपनी, तथा दोनों में से प्रत्येक मोनो-लाईन बीमा-कंपनियाँ, के लिए, बीमा-अभिकर्ता के रूप में काम करने की अनुज्ञप्ति होती हैं, उन्हें --- कहा जाता हैं।	दलाल (ब्रोकर)	निगमित अभिकर्ता	तृतीय-पक्ष प्रशासक (टी.पी.ए.)	संयुक्त बीमा-अभिकर्ता (composite Agents)	4
151	--- की स्थापना, वर्ष: 2000 में, बीमा उद्योग को विनियमित और विकसित करने के लिए, एक स्वतंत्र प्राधिकरण के रूप में की गई थी।	भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.)	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी))	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	भारत के पारस्परिक निधि-कोषों का संगठन (ए.एम.एफ.आई. (एम्फी))	3
152	निम्नलिखित में से, कौन सी संस्था ने, पॉलिसी-धारकों के हितों के संरक्षण के लिए, विनियम निर्धारित किये हैं, जिसमें, बीमा कंपनियों और बिचौलियों, दोनों पर, दायित्व, तय किये जाते हैं?	जीवन-बीमा परिषद और साधारण-बीमा परिषद, संयुक्त रूप से।	भारतीय पॉलिसी-धारक संघ (पी.ए.आई.)	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	भारतीय जीवन-बीमा निगम और भारतीय साधारण-बीमा निगम, संयुक्त रूप से।	3
153	निम्नलिखित अधिनियमों में से किस में, बीमा कंपनियों की गतिविधियों की निगरानी और नियंत्रण के लिए प्रावधान शामिल हैं?	(भारतीय) बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.(आई.)) अधिनियम, 1999.	निक्षेप बीमा एवं ऋण जमानत निगम अधिनियम, 1961.	सार्वजनिक देयता बीमा अधिनियम, 1991.	बीमा अधिनियम, 1938.	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
154	अगर, बीमा-कंपनी, ऐसे आवेदकों को स्वीकार करती हैं, जो, सामान्य से अधिक जोखिम पर हैं अथवा बीमा-योग्य नहीं हैं, लेकिन, उनकी वास्तविक स्थिति अथवा परिस्थिति के बारे में जानकारी को छुपाती हैं अथवा गलत जानकारी प्रस्तुत करती हैं, ताकि, उनका बीमा किया जा सके; तो इसे --- के रूप में जाना जाएगा। सबसे उचित विकल्प चुनिए।	बीमा-जाँच	प्रतिकूल-चयन	जोखिम-अंकन की चूक	प्रस्ताव की समीक्षा	3
155	बीमा अधिनियम, ------, को लागू हुआ था।	1 जून, 1938	1 जुलाई, 1938	1 जून, 1939	1 जुलाई, 1939	3
156	(भारतीय) बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.(आई.)) की स्थापना वर्ष: ---, में (भारतीय) बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.(आई.)) अधिनियम, 1999, के तहत की गई थी।	1999	2000	2002	2003	2
157	बीमा अधिनियम, 1938, के --- के तहत, बीमा-पॉलिसी लेने के लिए प्रलोभन के रूप में छूट का उपयोग करने पर रोक लगाई हैं।	धारा 38	धारा 41	धारा 45	धारा 64VB	2
158	बीमा अधिनियम, 1938, के --- के तहत, बीमा पॉलिसियों के नामांकन के लिए नियम, निर्धारित किए हैं।	धारा 39	धारा 41	धारा 45	धारा 64-व्ही.बी.	1
159	निर्दिष्ट-व्यक्ति की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, --- हैं।	कक्षा 10	कक्षा 12	स्नातक	स्नात्कोतर	2
160	बीमा-कंपनी के बीमा-अभिकर्ता के रूप में नियुक्ति की मांग करने वाले आवेदक, प्रपत्र --- में, बीमा-कंपनी के --- के पास, एक आवेदन प्रस्तुत करेंगे।	I-A, नामित अधिकारी	I-A, अपीलीय अधिकारी	I-B, नामित अधिकारी	I-B, अपीलीय अधिकारी	1
161	एकीकृत शिकायत-प्रबंधन-प्रणाली, --- द्वारा शुरू की गई हैं।	भारतीय पॉलिसी-धारक संघ	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए. आई.)	जीवन-बीमा परिषद	भारत सरकार	2
162	निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा वैध उपभोक्ता शिकायत का आधार बन सकता हैं?	दुकानदार, उत्पाद पर, कोई छूट नहीं देते हैं।	दुकानदार द्वारा लिया गया मूल्य, आवरण पर प्रदर्शित मूल्य के अनुसार हैं।	दुकानदार, एक निश्चित उत्पाद उपलब्ध कराने में विफल रहते हैं।	उपभोक्ता द्वारा खरीदे गए सामानों में, एक अथवा एक से अधिक दोष हैं।	4
163	निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प तक विकल्प एक वैध उपभोक्ता-शिकायत के लिए आधार नहीं बन सकता हैं?	दुकानदार द्वारा लिया गया मूल्य, आवरण पर प्रदर्शित मूल्य से अधिक हैं।	उपभोक्ता द्वारा खरीदे गए सामानों में, एक अथवा एक से अधिक दोष हैं।	दुकानदार, एक निश्चित उत्पाद उपलब्ध कराने में विफल रहते हैं।	एक अनुचित व्यापार-प्रथा अथवा प्रतिबंधात्मक व्यापार-प्रथा अपनाई गयी हैं।	3
164	बीमा-उद्योग में शिकायत निवारण की निगरानी का एक साधन, निम्नलिखित में से कौन हैं?	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	एकीकृत शिकायत-निवारण प्रणाली (आई.जी.एम.एस.)	राज्य आयोग	3

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
165	निम्नलिखित में से, कौन सी उपभोक्ता-विवाद-निवारण-संस्था के पास, एक नागरी न्यायालय (सिविल कोर्ट) के अधिकार होते हैं?	जिला-मंच	राज्य आयोग	राष्ट्रीय आयोग	उपरोक्त में से सभी।	4
166	निम्नलिखित में से कौन सी उपभोक्ता-विवाद-निवारण संस्था के पास, राज्य आयोग पर पर्यवेक्षी क्षेत्राधिकार हैं?	जिला-मंच	राष्ट्रीय आयोग	बीमा-लोकपाल	उपरोक्त में से कोई भी नहीं।	2
167	निम्नलिखित में से कौन, बीमा-धारक और बीमा-कंपनी की आपसी सहमति से, किसी विवाद के मामले में, संदर्भ की शर्तों के भीतर, एक मध्यस्थ और सलाहकार के रूप में, काम कर सकते हैं? सबसे उचित विकल्प चुनिए।	बीमा-अभिकर्ता	लोकपाल	बीमा-कर्ता	बीमा-दलाल (ब्रोकर)	2
168	अगर, कोई ग्राहक, जिला-मंच द्वारा दिए गए किसी आदेश से असंतुष्ट हैं, तो, वह, ऐसे आदेश के विरुद्ध कहां अपील कर सकते हैं?	राज्य आयोग	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	कोई अपील नहीं की जा सकती हैं।	1
169	अगर, कोई ग्राहक, राज्य आयोग द्वारा दिए गए किसी आदेश से असंतुष्ट हैं, तो, वह, ऐसे आदेश के विरुद्ध कहां अपील कर सकते हैं?	जिला-मंच	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	कोई अपील नहीं की जा सकती हैं।	2
170	निम्नलिखित में से, कौन सा अधिनियम, भारत में उपभोक्ताओं के विवादों के निपटान के लिए, उपभोक्ता-परिषद और अन्य प्राधिकरणों के गठन के लिए प्रावधान करता हैं?	बीमा अधिनियम, 1938.	विमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.) अधिनियम, 1999.	बैंकिंग विनियम अधिनियम, 1949.	उपभोक्ता संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2002.	4
171	निम्नलिखित में से, किसके पास, राज्य आयोग पर पर्यवेक्षी क्षेत्राधिकार होते हैं?	जिला-मंच	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	उपरोक्त में से कोई भी नहीं।	2
172	किसी शिकायत के मामले में, लोकपाल द्वारा अधिकतम कितनी राशि का फैसला दिया जा सकता हैं?	रुपए 10 लाख तक	रुपए 20 लाख तक	रुपए 50 लाख तक	रुपए 1 करोड तक	2
173	एक उपभोक्ता-अदालत में, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया के संबंध में, निम्नलिखित कथनों में से कौन सा, गलत हैं?	स्वयं शिकायत-कर्ता के अलावा कोई भी अन्य व्यक्ति, राज्य आयोग अथवा राष्ट्रीय आयोग के पास, एक शिकायत दर्ज नहीं कर सकते हैं।	राज्य आयोग अथवा राष्ट्रीय आयोग में शिकायत दर्ज करने के लिए कोई शुल्क नहीं होते हैं।	शिकायत, व्यक्तिगत रूप से दर्ज की जा सकती हैं अथवा डाक द्वारा भी भेजी जा सकती हैं।	शिकायत दर्ज करने के लिए, किसी वकील की आवश्यकता नहीं होती हैं।	1

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
174	निम्नलिखित में से, किसे, उपभोक्ता संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2002, के अनुसार, 'उपभोक्ता' की परिभाषा में शामिल नहीं किया जाता हैं?	कोई भी व्यक्ति, जो, एक प्रतिफल के बदले में, कोई सामान खरीदते हैं, और, इस में, इस तरह के सामान के कोई भी उपयोगकर्ता शामिल हैं।	कोई भी व्यक्ति, जो, एक प्रतिफल के बदले में, कोई सेवा किराए पर लेते हैं अथवा उसका लाभ उठाते हैं।	कोई भी व्यक्ति, जो, किसी सेवा का लाभ उठाते हैं, और उस सेवा के लाभार्थी भी हैं।	ऐसे व्यक्ति, जो, पुनःबिक्री के लिए अथवा किसी व्यावसायिक प्रयोजन के लिए, सामान प्राप्त करते हैं।	4
175	निम्नलिखित कथनों में से कौन सा एक, उन सिफारिशों के संबंध में गलत हैं, जिनका अनुसरण करना, लोकपाल के लिए आवश्यक होता हैं?	इस तरह की शिकायत प्राप्त होने के 6 महीनों के भीतर, सिफारिश की जानी चाहिए।	प्रतियाँ, शिकायतकर्ता और बीमा-कंपनी, दोनों को भेजी जानी चाहिए।	सिफारिशों को, इस तरह की शिकायत प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर, शिकायत-कर्ता द्वारा लिखित रूप में, स्वीकार किया जाना चाहिए।	बीमा-धारक द्वारा स्वीकृति-पत्र की एक प्रति, बीमा-कंपनी को भेजी जानी चाहिए, और इस तरह का स्वीकृति पत्र प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर, उसकी लिखित पुष्टि, मांगी जानी चाहिए।	1
176	अगर, कोई पॉलिसी-धारक, राष्ट्रीय आयोग के पास एक शिकायत दर्ज कराना चाहते हैं, तो, उनके द्वारा कितनी राशि का शुल्क देय होता हैं?	रुपए 100/-	दावा राशि का 2.5% अथवा रुपए 500/-, जो भी कम हो।	दावा राशि का 1%	राष्ट्रीय आयोग के पास ग्राहक-शिकायत दर्ज करने के लिए, कोई भी शुल्क देय नहीं होता हैं।	4
177	निम्नलिखित में से कौन, बीमा शिकायत सूचना का एक केंद्रीय भंडार हैं?	राष्ट्रीय आयोग	लोकपाल	एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली (आई.जी.एम.एस.)	राज्य आयोग	3
178	निम्नलिखित में से कौन सी उपभोक्ता-विवाद-निवारण संस्था, जिला-मंच की अपीलों पर विचार करती हैं?	राज्य आयोग	राष्ट्रीय आयोग	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	कोई अपील नहीं की जा सकती हैं।	1
179	निम्नलिखित में से, कौन सी उपभोक्ता विवाद-निवारण-अभिकरण-संस्था, किसी राज्य आयोग के आदेशों के विरुद्ध अपीलों पर विचार करती हैं?	जिला-मंच	राष्ट्रीय आयोग	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	कोई अपील नहीं की जा सकती हैं।	2
180	अगर, कोई पॉलिसी-धारक, किसी शिकायत के विरुद्ध, बीमा-कंपनी से रुपए 20 लाख तक का मुआवजा प्राप्त करना चाहते हैं, तो, वह, कहाँ शिकायत दर्ज कर सकते हैं? सबसे उचित विकल्प चुनिए।	जिला-मंच	राज्य आयोग	राष्ट्रीय आयोग	भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	1
181	निम्नलिखित में से, क्या, सेवा की गुणवत्ता का एक प्रत्यक्ष सूचक, <u>नहीं</u> हैं?	विश्वसनीयता	समानुभूति	आश्वासन	बिक्री के आंकड़े	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
182	निम्नलिखित में से कौन, ग्राहक आजीवन-मूल्य की दिशा में, एक योगदान-कारक नहीं हैं?	ऐतिहासिक	वर्तमान	संभावित	प्रत्याशित	4
183	आई.जी.एम.एस. का सही विस्तारित रूप चुनिए।	इंडो-जर्मन मैनेजमेंट स्कूल	एकीकृत सरकारी प्रबंधन प्रणाली	भारतीय जीनोम मैपिंग योजना	एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली	4
184	---, नियमों एवं विनियमों का एक संग्रह हैं, जो, पॉलिसी-धारकों की शिकायतों और चिंताओं का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए नियम और दिशानिर्देश तय करता हैं।	शिकायत-निपटान प्रक्रियाएं	शिकायत-निवारण प्रक्रियाएँ	जोखिम-शिकायत प्रक्रियाएँ	क्षति-शिकायत प्रक्रियाएँ	2
185	जन-शिकायत कानून निवारण 1998, --- के व्दारा बनाया गया कानून के नाम से जाना जाता हैं।	भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.)	गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एन.बी.एफ.सी.)	भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय मंडल (एस.ई.बी.आई. (सेबी))	केंद्र सरकार	4
186	कारणों पर आवंटन अथवा स्थानांतरण के बारे में, लिखित रूप में, पॉलिसी-धारक को बताया जाएगा, जो, इस बात के अधीन हैं, कि, ऐसे निर्णय को --- के समक्ष याचिका के माध्यम से चुनौती दी जा रही हैं।	शिकायत-निवारण-प्राधिकरण	ग्राहक-निवारण-प्राधिकरण	विक्रेता-निराकरण-प्राधिकरण	प्रशासनिक-निराकरण-प्राधिकरण	1
187	एक बीमा-धारक, --- के तहत, लोकपाल से संपर्क करके, विवाद को हल कर सकते हैं।	शिकायत-निपटान-प्रक्रिया	शिकायत-निवारण-प्रक्रिया	जोखिम-शिकायत-प्रक्रिया	लोक-शिकायत-निवारण-नियमावली	4
188	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के मुख्य उद्देश्य, निम्नलिखित में से, क्या हैं? (i) पॉलिसी-धारकों के हितों की रक्षा करना। (ii) निवेशकों के हितों की रक्षा करना। (iii) उपभोक्ता-शिकायतों का सरल, त्वरित, और सस्ता निवारण प्रदान करना।	केवल (i) सही हैं।	(i) और (ii), दोनों, सही हैं।	केवल (iii) सही हैं।	(i) और (iii), दोनों, सही हैं।	3
189	"लोक-शिकायत-निवारण-नियम, 1998", --- को अस्तित्व में आया	12 अक्तूबर, 1991	11 नवंबर, 1998	13 दिसंबर, 1997	14 सितंबर, 1983	2
190	लोक शिकायत निवारण नियमों के उद्देश्य, निम्नलिखित में से, क्या हैं? (i) विवादों के निपटान से संबंधित शिकायतों के समाधान का लक्ष्य बनाना। (ii) उपभोक्ता के हितों का संरक्षण। (iii) उपभोक्ता को शिकायत उपलब्ध कराना।	केवल (i) सही हैं।	(i) और (ii), दोनों, सही हैं।	केवल (iii) सही हैं।	(i) और (iii), दोनों, सही हैं।	1
191	लोकपाल के कार्य, निम्नलिखित में से, क्या हैं? (i) उपभोक्ता की शिकायतों का निवारण। (ii) उपभोक्ता के हितों का संरक्षण। (iii) पॉलिसी-धारकों के शिकायतों का निवारण।	केवल (i) सही हैं।	(i) और (ii), दोनों, सही हैं।	केवल (iii) सही हैं।	(i) और (iii), दोनों, सही हैं।	3

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
192	आयोग द्वारा, निम्नलिखित में से, किस की सिफारिश की गई हैं, कि, इनसे निपटने के लिए, शिकायत निवारण प्राधिकरण (जी.आर.ए.) गठित किया जाना चाहिए? (i) बीमा-धारक और बीमा-कंपनी के बीच के विवाद। (ii) बीमा-धारक और बिचौलियों के बीच के विवाद। (iii) बीमा-कंपनी और बिचौलियों के बीच के विवाद। (iv) बीमा-धारक, बीमा-कंपनी, और बिचौलियों के बीच के कोई भी विवाद।	(i) और (ii), दोनों, सही हैं।	(i) और (iii), दोनों, सही हैं।	(ii) और (iii), दोनों, सही हैं।	केवल (iv) सही हैं।	4
193	बीमा-धारक और बीमा-कंपनी के बीच विवादों को कौन देखते हैं?	ग्राहक-समूह	शिकायत-निवारण-प्राधिकरण	उपभोक्ता-प्राधिकरण	उपभोक्ता-आयोग	2
194	बीमा-कंपनी और बिचौलियों के बीच के विवादों को कौन देखते हैं?	ग्राहक-प्राधिकरण	उपभोक्ता-समूह	उपभोक्ता-प्राधिकरण	शिकायत-निवारण-प्राधिकरण	4
195	--- का तृतीय-पक्ष मोटर-वाहन-बीमा और समुद्री-बीमा से संबंधित मामलों में, कोई अधिकार-क्षेत्र नहीं होगा।	उपभोक्ता-आयोग	उपभोक्ता-प्राधिकरण	शिकायत-निवारण-प्राधिकरण (जी.आर.ए.)	उपभोक्ता-समूह	3
196	लोक शिकायत निवारण नियम, 1998, ने --- की प्रणाली बनायी।	बीमा अभिकर्ता	बीमा-सर्वेक्षक	बीमा-लोकपाल	उपभोक्ता-मंच	3
197	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, किस तिथि को बनाया गया था।	11 अप्रैल, 1974	24 दिसंबर, 1968	24 दिसंबर, 1986	22 नवंबर, 1968	3
198	निम्नलिखित में से क्या, गैर-मौखिक संवाद का एक उदाहरण <u>नहीं</u> हैं?	हाथ की मुद्रा से, 'सही' का संकेत करना	एक खाली कमरे में मुद्राएं दिखाना	गहने पहनना	अपनी आवाज ऊँची करना	2
199	व्यक्तिगत दूरी को, --- के रूप में परिभाषित किया गया हैं।	18 इंच से 4 फीट तक	12 फीट और अधिक	18 इंच के करीब	4 फीट से 12 फीट	1
200	गैर-मौखिक संवाद, --- से बना हैं।	बातों के अलावा व्यवहार, जिस का उद्देश्य, एक संदेश देना हैं	शारीरिक भाषा की गतिविधियाँ	ऐसा कोई भी दृष्टांत, जिस में, बातों के अलावा, कोई अन्य उत्प्रेरक, प्रेषक अथवा प्राप्तकर्ता के मस्तिष्क में अर्थ उत्पन्न करता हैं	सभी मानवीय व्यवहार	4
201	आधुनिक बीमा के उत्पत्ति के स्थान की पहचान कीजिए।	रोम की वेटिकन सिटी	बेबीलोन के हैंगिंग उद्यान	लंदन का लॉयड्स कॉफ़ी हाउस	न्यूयॉर्क का बिग एप्पल	3
202	निम्नलिखित में से, किस का उपयोग, सामान्यतः, बीमा का वर्णन करने के लिए, किया जा सकता हैं?	गरीबों को अनुदान देना।	जनता के नुकसानों का दांव लगाना।	दूसरों के नुकसानों से मुनाफ़ा कमाना।	कुछ लोगों के नुकसानों को कई लोगों द्वारा बांटा जाना।	4
203	रोड्स के निवासियों ने, एक प्रथा अपनाई थी, जिसमें, अगर विपत्ति के दौरान, बचाव के कारण, कुछ सामान का नुकसान होता था, तो, सामान के मालिक (यहाँ तक कि, वे भी, जिनका कोई नुकसान नहीं हुआ हैं), सामान के अनुपात में, नुकसान को वहन करता था। इस परिदृश्य में, कौन सी घटना का उदाहरण दिया गया हैं?	पूंजीवाद	समाजवाद	पारस्परिक-बीमा	निरंकुशता	3

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
204	बीमा के संबंध में एकत्रीकरण ('पूलिंग') के सिद्धांत को समझाइए।	सामान संपत्तियाँ रखने वाले और सामान जोखिमों के दायरे में आने वाले लोगों को एकत्र करना।	अलग-अलग प्रकार की संपत्तियाँ रखने वाले, और अलग-अलग जोखिमों के दायरे में आने वाले, लोगों को एकत्र करना।	समान प्रकार की संपत्तियाँ रखने वाले, लेकिन, अलग-अलग जोखिमों के दायरे में आने वाले, लोगों को एकत्र करना।	अलग-अलग प्रकार की संपत्तियाँ रखने वाले, और समान जोखिमों के दायरे में आने वाले, लोगों को एकत्र करना।	1
205	पुराने जमाने में, चीनी व्यापारी, जोखिम-भरे समुद्र से गुजरते समय, अपने सामानों को अलग-अलग नौकाओं में रख लेते थे। कारण बताइए।	चीनी नौकाएँ छोटी होती थीं, और उनमें, भारी सामान लादे जाते थे।	चीनी सरकार ने यह अनिवार्य कर दिया था, कि, सामानों को कई शिपिंग-कंपनियों के बीच, इस प्रकार बांटा जाना चाहिए, कि व्यवसाय का एक समान वितरण हो सके।	चीनी व्यापारी, अपने सामानों को कई नौकाएं में रख लेते थे, क्योंकि, इससे कुल नुकसान के प्रति बीमा मिलता था।	चीनी व्यापारी, अपने सामानों को, कई नौकाएं में रख लेते थे, क्योंकि, यह सस्ता पड़ता था।	3
206	निम्नलिखित विकल्पों में से, एक गैर-भौतिक संपत्ति को पहचानिए।	कार	मकान	साख	वातानुकूलक (एयर-कंडीशनर)	3
207	श्री. मनीष, अपने बीमा-सलाहकार से बीमा के प्राथमिक उद्देश्य के बारे में, पूछते हैं। निम्नलिखित विकल्पों में से, बीमा के प्राथमिक उद्देश्य की पहचान करने में, श्री. मनीष की सहायता कीजिए।	कई लोगों के नुकसानों को, कई लोगों के बीच बाँटना।	कई लोगों के नुकसानों को, कुछ लोगों के बीच बाँटना।	कुछ लोगों के नुकसानों को, कई लोगों के बीच बाँटना।	सट्टा लगाना।	3
208	बीमा के निर्माण का कारण क्या था?	खतरे	क्षतिपूर्ति	नुकसान	जोखिम	4
209	निम्नलिखित जोखिम-प्रबंधन-विधियों में से कौन सी, स्वयं-बीमा के रूप में भी जानी जाती हैं?	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	जोखिम-अंतरण	2
210	आप, बीमा खरीदने का विकल्प, कब चुनेंगे?	आकस्मिक घटना, घटित होने के बाद।	जब, घटना घटित होने की संभाव्यता कम हैं, लेकिन, इसकी गंभीरता अधिक हैं।	जब, घटना घटित होने की संभाव्यता के साथ-साथ, इसकी गंभीरता कम होती हैं।	जब, आप, अपने आप, आकस्मिक घटना के नुकसानों का वित्तपोषण कर सकते हैं।	2
211	निम्नलिखित में से कौन, पहली भारतीय बीमा-कंपनी हैं?	ओरिएंटल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	ट्राइटन इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	बॉम्बे म्यूच्युअल एश्योरेंस सोसायटी लिमिटेड	नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	3
212	भारत में, जीवन-बीमा के राष्ट्रीयकरण के परिणाम-स्वरूप, निर्मित, सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन-बीमा-कंपनी का नाम बताइए।	भारतीय साधारण-बीमा निगम	भारतीय जीवन-बीमा निगम	ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया	नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	2
213	एक व्यक्ति द्वारा, बीमा खरीदे जाने के समय, अपनाई जाने वाली जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की चर्चा कीजिए।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन	3

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
214	बीमा (इन्श्युरन्स) और जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स) के बीच के अंतर को समझाइए।	बीमा (इन्श्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, जो घटित होगी। जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, जो घटित हो सकती हैं।	बीमा (इन्श्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, जो घटित हो सकती हैं। जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, जो घटित होगी।	बीमा (इन्श्युरन्स) और जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स) दोनों, एक ही बात को दर्शाते हैं।	बीमा (इन्श्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध आश्वस्त सुरक्षा, जो घटित हो सकती हैं। जीवन-बीमा (ॲश्युरन्स): एक ऐसी घटना के विरुद्ध सुरक्षा, आश्वस्त नहीं हैं, जो घटित हो सकती हैं।	2
215	श्री. पोद्दार ने, अपने घर में, विद्युत-रोधित ताराओं का प्रयोग किया, ताकि, आग के कारण होने वाली क्षति की संभाव्यता को कम किया जा सकें। यहाँ अपनाई गई जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की पहचान कीजिए।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	4
216	सुश्री. शाहीन, गंतव्य देश में चल रही हिंसा के कारण, एक व्यावसायिक-यात्रा पर, इराक जाने से मना कर देती हैं। यहाँ अपनाई गई, जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की पहचान कीजिए।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	1
217	श्री. सुरेश ने, एक जीवन-बीमा-पॉलिसी खरीदी हैं, ताकि उनकी अ-समयिक मृत्यु की स्थिति में, उनके परिवार के सदस्यों को, किसी अन्य व्यक्ति पर निर्भर ना रहना पड़े। यहाँ अपनाई गई, जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की पहचान कीजिए।	जोखिम-विमुखता	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	3
218	सुश्री. स्मिता ने एक आरक्षित निधि-कोष बनाया हुआ हैं, जिसका उपयोग, किसी वजह से मकान के क्षतिग्रस्त हो जाने की स्थिति में, मरम्मतों के लिए, किया जाएगा। यहाँ अपनाई गई जोखिम-प्रबंधन-तकनीक की पहचान कीजिए।	जोखिम-वित्तपोषण	जोखिम-प्रतिधारण	जोखिम-अंतरण	जोखिम-न्यूनन तथा जोखिम-नियंत्रण	1
219	निम्नलिखित कथनों में से, कौन सा, सही हैं?	बीमा, क्षति होने से, संपत्ति की सुरक्षा करता हैं।	बीमा, नुकसानों को रोकता हैं।	बीमा, नुकसान की संभाव्यता को कम कर देता हैं।	बीमा, किसी नुकसान की घटना में, बीमा-धारक की क्षतिपूर्ति करता हैं।	4
220	आप, एक बीमा-सर्वेक्षक हैं। बीमा-कंपनी की ओर से, आप, बीमा करने से पहले, किसी संपत्ति का सर्वेक्षण और निरीक्षण क्यों करेंगे?	दर-निर्धारण के प्रयोजनों के लिए, जोखिम का मूल्यांकन	आसपास की चीजों को देखकर, संपत्ति के मूल्य पर पहुँचना	यह पता लगाना, कि, संपत्ति, शहर से कितनी दूर हैं।	आस-पड़ोस की संपत्तियों पर भी एक नज़र डालना।	1
221	मूलतः, मानव-जीवन-मूल्य की अवधारणा का प्रस्ताव, किसने ने किया था?	विलियम फॉकनर	श्री. एन. मल्होत्रा	अर्थशास्त्री एडम स्मिथ	प्राध्यापक ह्युबनर	4

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
222	एक परिसंपत्ति का, सामान्य रुप में, वर्णन कीजिए। सर्वाधिक उचित विकल्प चुनिए।	एक परिसंपत्ति ऐसी चीज होती हैं, जो मुक्त रुप से उपलब्ध होती हैं।	एक परिसंपत्ति ऐसी चीज होती हैं, जो एक मूल्य अथवा एक प्रतिफल का सर्जन करती हैं।	एक परिसंपत्ति ऐसी चीज होती हैं, जो कोई भी प्रतिफल का सर्जन नहीं करती हैं, और केवल एक उपयुक्तता प्रदान करती हैं।	एक परिसंपत्ति ऐसी चीज होती हैं, जिस का स्वामित्व नहीं हो सकता हैं।	2
223	क्षतिपूर्ति का सिद्धांत --- के लिए लागू होता हैं।	जीवन-बीमा	साधारण-बीमा	जीवन-बीमा और साधारण-बीमा	न तो जीवन-बीमा, और न ही साधारण-बीमा	2
224	निम्नलिखित में से किसको सामान्य लोगों व्दारा सामना करना वाली जोखिमों के तहत, वर्गीकृत नहीं किया जा सकता हैं?	बहुत लंबे समय तक जीवित रहना।	बहुत जल्दी मर जाना।	प्राकृतिक टूट-फूट।	विकलांगता के साथ जीवित रहना।	3
225	मानव जीवन मूल्य (एच.एल.व्ही.) की गणना करते समय, जिन दो घटकोंपर विचार किया जाना चाहिए, उन्हें पहचानिए।	कमाने वाले व्यक्ति की शुद्ध आय, और परिवार के सदस्यों की संख्या	कमाने वाले व्यक्ति की शुद्ध आय, और वार्षिक ब्याज-दर	कमाने वाले व्यक्ति की शुद्ध आय, और उनके काम का प्रकार	कमाने वाले व्यक्ति की शुद्ध आय, और खरीदा गया बीमा	2
226	निम्नलिखित में से कौन सी विधि, एक परंपरागत विधि हैं, जो, किसी व्यक्ति के लिए बीमा की आवश्यकता निर्धारित करने में मदद कर सकती हैं?	मानव-संपदा-मूल्य	जीवन-अवधि-प्रस्ताव	मानव-जीवन-मूल्य	भविष्य का जीवन-मूल्य	3
227	ऐसे घटक को पहचानिए, जो, जीवन बीमा व्यवसाय का एक हिस्सा नहीं हैं।	परिसंपत्ति	जोखिम	प्रस्परता का सिध्दान्त	सट्टा	4
228	निम्नलिखित में से कौन एक, परिसंपत्ति नहीं हो सकता हैं?	हवा	कार	मकान	साख	1
229	"अवधि जीवन-बीमा खरीदिएँ, और शेष अन्यत्र निवेश कीजिए" के लिए, प्राथमिक तर्क क्या हैं? सर्वाधिक उचित विकल्प चुनिए।	अवधि जीवन-बीमा, जीवन-बीमा का सर्वाधिक बेहतर रुप हैं।	शेष प्रीमियम को अन्य निवेश-पत्रों में निवेश करके एक उच्चतर प्रतिफल सर्जित किया जा सकता हैं।	शेष प्रीमियम इक्विटी में निवेश करके, पॉलिसी-धारक उच्चतर जोखिम ले सकते हैं।	गैर-अवधि जीवन-बीमा के प्रतिफल कम होते हैं।	2
230	निम्नलिखित में से, --- के सिवाय, सभी, नकद-मूल्य बीमा-अनुबंधों के लाभ होते हैं।	बचत-अनुशासन को बढावा देते हैं	सावधान और सुरक्षित निवेश	आय-कर लाभ	कम प्रतिफल	4
231	निम्नलिखित में से, --- के सिवाय, सभी, नकद-मूल्य बीमा-अनुबंधों के अ-लाभ होते हैं।	कम प्रतिफल	सावधान और सुरक्षित निवेश	मुद्रास्फीति के गंज-कारक प्रभाव के अधीन प्रतिफल	शुरुआती वर्षों मे, कम संचय	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
232	निम्नलिखत कथनों में से कौन सा एक, <u>गलत</u> हैं?	पारस्परिकता के तहत, विभिन्न व्यक्तियों के निधि-कोष, एकत्रित किए जाते हैं।	पारस्परिकता को एकत्रीकरण (पूलिंग) के नाम से भी जाना जाता हैं।	पारस्परिकता के तहत, हमारे पास, एक स्त्रोत से कईयों तक, प्रवाहित होने वाला, निधि-कोष होता हैं।	पारस्परिकता, किसी के असामयिक मृत्यु के परिणाम-स्वरुप होनेवाली, आर्थिक हानि के प्रति, संरक्षण प्रदान करती हैं। इस हानि को एक निधि-कोष के माध्यम से समर्थित और संबोधित किया जाता हैं, जो जीवन-बीमा अनुबंधों में प्रवेश करनेवाले अनेकों के अंशदानों को एकत्रित करता हैं।	3
233	श्री. राजन, एक वर्ष में, रुपए १,२०,००० अर्जित करते हैं, और स्वयं के लिए, रुपए २४,००० खर्च करते हैं। मान लीजिए कि, ब्याज-की-दर ८% (०.०८ दर्शाई गई) हैं। इस मामले में, मानवी जीवन मूल्य (एच.एल.व्ही.) की गणना कीजिए।	रुपए १२ लाख।	रुपए १३ लाख।	रुपए १४ लाख।	रुपए १५ लाख।	1
234	श्री. रमेश ५५-वर्षीय हैं, और उन की सेवा-निवृत्ति के लिए, ५ कार्य-वर्ष बाकी हैं। वर्तमान में, उन की वार्षिक आय, रुपए ५ लाख हैं, और उन्हों ने रुपए १५ लाख की एक जीवन-बीमा पॉलिसी खरीदी हैं। यदि वह, वर्तमान वर्ष में ही, समय-पूर्व मृत हो जाते हैं, तब, उन का परिवार, जीवन-बीमा कम्पनी की ओर से कितनी राशि प्राप्त करेंगे?	रुपए २० लाख।	रुपए १५ लाख।	रुपए १० लाख।	रुपए ५ लाख।	2
235	बीमा के संबंध में, आश्वासन के अनुबंधों और क्षतिपूर्ति के अनुबंधों में भिन्नता कीजिए।	आश्वासन के अनुबंधों के तहत, घटना के बाद, देय-लाभ निर्धारित होता हैं।	क्षतिपूर्ति के अनुबंधों के तहत, देय-लाभ, पहले से नियत होते हैं।	आश्वासन के अनुबंधों के तहत, घटना से पहले, देय-लाभ निर्धारित होता हैं।	क्षतिपूर्ति के अनुबंधों के तहत, यदि घटना होती हैं, तो कोई भी लाभ, देय नहीं होता हैं।	3
236	सुश्री. प्राजक्ता, प्रति वर्ष, रुपए २,४०,००० अर्जित करती हैं। वह, स्वयं के लिए, प्रति वर्ष, रुपए १ लाख खर्च करती हैं। बाजार में ब्याज-की-दर ७% हैं। सुश्री. प्राजक्ता के जीवन-बीमा राशि का गणन,मानवी जीवन मूल्य (एच.एल.व्ही.) के माध्यम से कीजिए।	रुपए १५ लाख।	रुपए २० लाख।	रुपए १० लाख।	रुपए २४ लाख।	2

क्र.	प्रश्न	विकल्प-1	विकल्प-2	विकल्प-3	विकल्प-4	विकल्प-उचित
237	जीवन-बीमा और साधारण बीमा के संदर्भ में, एक आकस्मिक घटना की संभाव्यता की तुलना कीजिए।	जीवन-बीमा और साधारण बीमा, दोनों के संदर्भ में, घटना होने की संभाव्यता, एक-स्थिर रहती हैं।	घटना होने की संभाव्यता, साधारण बीमा के मामले में बढती रहती हैं, और जीवन-बीमा के मामले में घटती रहती हैं।	घटना होने की संभाव्यता, जीवन-बीमा के मामले में बढती रहती हैं, और साधारण बीमा के मामले में घटती रहती हैं।	घटना होने की संभाव्यता, जीवन-बीमा के मामले में बढती रहती हैं, और साधारण बीमा के मामले में स्थिर रहती हैं।	4
238	निम्नलिखित दो कथन, विश्लेषित कीजिए, और सत्य निर्धारित कीजिए: कथन-I: साधारण बीमा के मामले में, आकस्मिक-घटना, निश्चित रुप से होती हैं। कथन-II: जीवन-बीमा के मामले में, आकस्मिक-घटना, निश्चित रुप से होती हैं।	कथन-I सत्य हैं।	कथन-II सत्य हैं।	कथन-I और कथन-II, सत्य हैं।	कथन-I और कथन-II, असत्य हैं।	2
239	बीमा की एक श्रेणी का सुझाव दीजिए जो, साख की हानि के प्रति संरक्षण प्रदान करेगा।	जीवन-बीमा	सम्पत्ति-बीमा	दायित्व-बीमा	व्यक्तिगत-बीमा	3
240	हमें बताइए, क्यों, वृद्ध लोगों की तुलना में, युवा लोगों को, जीवन-बीमा प्रीमियम, कम भारित किया जाता हैं,	वृद्ध लोगों के जितनी, युवा लोगों को, जीवन-बीमा की आवश्यकता नहीं होती हैं।	युवा लोग, उन की कम आय के कारण, महंगे जीवन-बीमा उत्पाद खरीद नहीं सकते हैं।	मर्त्यता-दर, आयु के सीधे आनुपातिक होता हैं।	मर्त्यता-दर, आयु के विपरित आनुपातिक होता हैं।	3